



चीकू और तूई

कहानी - एस्थर डेविड

चीकू को अपने घर के आस-पास रहनेवाले पक्षियों को देखना बहुत भाता था। उसके घर के आस-पास गौरैया, कौए, कबूतर, फ़ारुखा, तोता-मैना रहा करते थे। वे सभी अपनी रातें चीकू के घर के बाहरवाले पार्क के पेड़ों पर बिताया करते थे।

एक दिन, अचानक एक तोता आसमान से उसके घर के आंगन में आ गिरा। बा ने उसे उठाकर अपनी बुनाई की टोकरी में रख लिया। “शायद यह उड़ना सीख रहा है” उन्होंने कहा। “यह अभी घबराया हुआ है। जब मज़बूत हो जाएगा तब यह उड़ जाएगा।” चीकू सेब खा रहा था, उस में से एक टुकड़ा उसने उस पक्षी को दे दिया और दोनों पक्के दोस्त बन गए।

चीकू ने उस तोते का नाम तूई रख दिया। बाहर जाने से पहले बा ने चीकू से कहा, “तूई को रात में अकेले नहीं छोड़ा जा सकता। मैं उसके लिए एक पिंजड़े का इंतज़ाम करती हूँ।” चीकू तूई के साथ अकेला हुआ नहीं कि तुरंत उसने उसकी ओर दोस्ती का हाथ बढ़ा दिया। तूई भी झट से उछलकर उसके कंधे पर आ बैठा। चीकू खुश था, और जब बा वापस लौटी तो वे चीकू के नए दोस्त को देखकर बहुत खुश हुईं।

दिन में तूई बा और चीकू के साथ रहता, लेकिन रात अपने पिंजड़े में गुज़ारता। तूई उस घर में आज़ाद पक्षी की तरह रहता। उसकी पसंदीदा जगह थी रसोईघर, जहाँ वह ताज़े फल व सब्ज़ियाँ खाता। एक बार चीकू ने उसे अपनी रोटियों का स्वाद भी चखाया, जो उसे बहुत अच्छा लगा। उसके बाद तो तूई हमेशा खाने की मेज़ पर पूरे परिवार के साथ बैठकर रोटी के कुछ टुकड़े खाता।





लेकिन, एक दिन तूई चीकू और बा को नहीं मिला। चीकू रोने लगा। बा ने उसे दिलासा देते हुए कहा, “मेरे खयाल से, आखिरकार तूई उड़ गया। खैर, अच्छा ही हुआ, मैं उसे कैद करके पिंजड़े में नहीं रखना चाहती थी। शायद वह पार्क के दूसरे पक्षियों के साथ उड़ गया।” चीकू बात को शायद समझ तो रहा था फिर भी उसे तूई की याद आ रही थी।

दूसरी शाम, तूई तोतों के एक परिवार के साथ नज़दीक के पार्क में अपनी रात बिताने के लिए लौट आया। तूई चीकू के घर में उड़कर आ गया और उसके कंधे पर आ बैठा। चीकू और बा खुशी से मुस्कुरा उठे कि तूई उन्हें भूला नहीं था। उसके बाद तूई हर सुबह चीकू के घर आने लगा। वह उसके कंधे पर बैठ जाता और रोटी का एक टुकड़ा खाकर उड़ जाता।

वास्तव में, बा ने बड़ी समझदारी से चीकू को बताया, “पक्षी और आदमी अच्छे दोस्त बन सकते हैं यदि वे दुनिया में एक साथ शांति से रहना सीख जाएँ।”

समाप्त

© BookBox. All Rights Reserved.
www.bookbox.com

Click below to follow us:



YouTube

facebook

